

खबर संक्षेप



कलेक्टर ने ग्राम सोन टोला में ड्रेगन फूड खेती का किया निरीक्षण, हितग्राही से की चर्चा

शहडोल। कलेक्टर पार्थ जायसवाल एवं पुलिस अधीक्षक संजय अग्रवाल ने जनपद पंचायत गोहपारू के ग्राम सोन टोला पहुंचकर एक बगिया मां के नाम अंतर्गत रोपित किए गए आम पपीता नींबू, ड्रेगन फूड खेती का निरीक्षण किया। कलेक्टर ने हितग्राही लल्लू सिंह से ड्रेगन फूड की खेती के बारे में चर्चा की, जिस पर बताया 40 ड्रेगन फूड, 30 आम ,15 नींबू,4 थाई अमरूद लगाया गया है। कलेक्टर ने कहा कि रोपित पौधों के आसपास के खरपतवार को निकलवाए एवं आवश्यकता अनुसार दवाइयां का छिड़काव करें जिससे पौधों को जीवित रखा जा सके। इस अवसर पर मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत शिवम प्रजापति, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व सुश्री काजोल सिंह सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित हैं।

यूसीसी के खिलाफ मुहिम को लेकर जमीयत उलेमा-ए-हिन्द की अहम बैठक आज

शहडोल। जमीयत उलेमा-ए-हिन्द, शहर शहडोल द्वारा यूनिफॉर्म सिविल कोड (यूसीसी) के खिलाफ जारी मुहिम और संगठनात्मक गतिविधियों को लेकर आगामी 22 अगस्त 2026 को एक अहम बैठक आयोजित की जाएगी। बैठक का उद्देश्य 16 अगस्त 2026 को भोपाल में आयोजित बैठक में पारित एजेंडे को जमीनी स्तर तक पहुंचाने तथा संगठन से जुड़े पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं के बीच आगे की गतिविधियों को लेकर समन्वय स्थापित करना बताया गया है। जमीयत की ओर से जारी सूचना के अनुसार बैठक हजरत अमीर शरीयत मौलाना सुप्री मोहम्मद अहमद खां साहब की हिदायत के मुताबिक आयोजित की जा रही है। बैठक की अध्यक्षता शहर सदर जनाब मोहम्मद जकरिया साहब करेंगे। संगठन ने बैठक में शहर एवं क्षेत्र के जिम्मेदार पदाधिकारियों, उलेमा-ए-किराम, आइमाम-ए-मसाजिद, मस्जिदों के सक्टर एवं सेक्रेटरी, मदरसा प्रबंधकों तथा जमीयत उलेमा-ए-हिन्द से जुड़े कार्यकर्ताओं की मौजूदगी को महत्वपूर्ण बताया है। जारी सूचना के मुताबिक बैठक 22 अगस्त को सुबह 10 बजे आयोजित होगी। बैठक का स्थान होटल पैराडाइज एवं काजी साहब का दफ्तर, शहडोल निर्धारित किया गया है।

खन्नौधी पहुंचे पुलिस अधीक्षक, शिकायतकर्ताओं की सुनीं तथ्याए

शहडोल। मुख्यमंत्री जन सेवा अभियान के तहत पुलिस कप्तान डॉक्टर संजय कुमार अग्रवाल ने सीधी जनसंवाद की पहल करते हुए गोहपारू थाना क्षेत्र के ग्राम खनौधी में जनसुनवाई आयोजित की। इस दौरान ग्रामीणों और शिकायतकर्ताओं ने अपनी-अपनी समस्याएं सीधे पुलिस कप्तान के समक्ष रखीं, जिन पर त्वरित संज्ञान लेते हुए कई लेबित प्रकरणों का चौपाल में ही समाधान कर दिया गया।

सीएम हेल्पलाइन शिकायतों पर सख्त रुख

जनसुनवाई के दौरान मुख्यमंत्री हेल्पलाइन पर दर्ज शिकायतों की भी गहन समीक्षा की गई। पुलिस अधीक्षक ने नागरिकों की हर छोटी-बड़ी



शिकायत को गंभीरतापूर्वक सुना और शिकायतकर्ताओं की मौजूदगी में ही संबंधित पक्षों से संवाद स्थापित किया। जिन मामलों में तत्काल निस्तारण संभव था, उन्हें मौके पर ही सुलझा दिया गया। साथ ही, उपस्थित गोहपारू थाना प्रभारी को कड़े निर्देश दिए गए कि थाने आने वाले हर फरियादी की बात संवेदनशीलता और प्राथमिकता के साथ सुनी जाए तथा हर शिकायत पर त्वरित एवं पारदर्शी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

वरिष्ठ अधिकारियों की रही मौजूदगी

इस जनसंवाद शिविर में महिला अपराध प्रकोष्ठ की उप पुलिस अधीक्षक श्रीमती शिवाली चतुर्वेदी, गोहपारू थाना प्रभारी तथा जयसिंहनगर थाना प्रभारी भी मुख्य रूप से उपस्थित रहे। अधिकारियों की संयुक्त उपस्थिति से भूमि विवाद, आपसी रंजिश और घरेलू शिकायतों के निष्पादन में तेजी आई। पुलिस की इस जमीनी पहल से ग्रामवासियों में संतोष देखा गया। ग्रामीणों ने माना कि इस प्रकार के आयोजनों से न केवल समस्याओं का बिना भटके समाधान होता है, बल्कि आमजन और पुलिस प्रशासन के बीच विश्वास की डोर भी मजबूत होती है।

उफनते नाले में फंसी यात्रियों से भरी बस



शहडोल। जिले भर में हो रही अनवरत वर्षा के कारण नदी-नाले रौद्र रूप धारण कर चुके हैं। शुक्रवार को शहडोल-सिंहपुर मार्ग पर उफनते नाले को पार करने के दुस्साहस में यात्रियों से भरी एक बस बीच मझाधार में बंद हो गई। नाले के तेज बहाव के बीच जलस्तर बढ़ता देख बस के भीतर सवार मुसाफिरों की सांसें अटक गईं। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस टीम और स्थानीय निवासियों ने समय रहते रेस्क्यू ऑपरेशन चलाकर सभी मुसाफिरों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, यात्री बस शहडोल से सिंहपुर मार्ग होकर डिंडोरी की ओर रवाना हुई थी। रास्ते में जलभराव और नाले का तेज उफान देखकर भी चालक ने जेोखिम उठाते हुए वाहन को पानी में उतार दिया। नाले के बीचों-बीच पहुंचते ही यांत्रिक खराबी के कारण बस का इंजन बंद हो गया। देखते ही देखते बस के चारों ओर पानी का दबाव बढ़ने लगा और यात्रियों में चीख-पुकार मच गई। सूचना मिलते ही पुलिस बल मौके पर पहुंचा। स्थानीय ग्रामीणों की मदद से रस्सियों के सहारे एक-एक कर सभी यात्रियों को सुरक्षित किनारे लाया गया। नगर पुलिस अधीक्षक राजेंद्र मोहन दुबे ने बताया कि चालक की लापरवाही सामने आई है और मामले की वैधानिक जांच की जा रही है। दूसरी ओर अनवरत बारिश के कारण शहडोल चिकित्सा महाविद्यालय परिसर में स्थित एक पुराना और विशाल महुआ



का पेड़ अचानक जड़ से उखड़कर नीचे खड़ी कार पर गिर पड़ा। पेड़ के वजन से वाहन पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। आवाज सुनते ही सुरक्षाकर्मियों और अधिकारियों में अफरा-तफरी मच गई। गनीमत यह रही कि घटना के समय कार में कोई सवार नहीं था, जिससे बड़ी जनहानि टल गई। पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर स्थिति को संभाला। जिले में लगातार बिगड़ते मौसम को देखते हुए पुलिस व जिला प्रशासन ने नागरिकों से उफनते नदी-नालों का पार न करने तथा जलभराव वाले क्षेत्रों से दूर रहने की अपील की है।

कन्या छात्रावास की रसोई में लगी आग

छात्राओं ने वीडियो में खोली लापरवाही की पोल

शहडोल। जिले के ब्यौहारी थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम मऊ स्थित शासकीय अनुसूचित जाति जूनियर कन्या छात्रावास में उस वक्त अफरा-तफरी और चीख-पुकार मच गई, जब छात्रावास की रसोई में अचानक भीषण आग लग गई। रसोईघर से निकलता काला-गाढ़ा धुआं देखते ही देखते पूरे छात्रावास परिसर और बालिकाओं के कमरों में भर गया। जहरीले धुएं के कारण जब कमरों में छात्राओं का दम घुटने लगा, तो डरी-सहमी बालिकाएँ अपनी जान बचाने के लिए बदहवास हालत में बाहर की ओर भागीं। गनीमत यह रही कि इस भयानक अग्निकांड में कोई बालिका झुलसी नहीं, लेकिन इस हादसे ने जनजातीय कार्य विभाग की छात्रावास सुरक्षा व्यवस्था की धजियाँ उड़ाकर रख दी हैं। घटना के दौरान सामने आए एक लाइव वीडियो ने शासकीय व्यवस्था और दावों की पूरी कलाई खोलकर रख दी है। वीडियो में छात्रावास भवन की खिड़कियों और मुख्य द्वार से धुएँ का भारी गुबार निकलता साफ़ दिखाई दे रहा है। वीडियो में जब नहीं छात्राओं से स्थिति के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने बदहवास आवाज में पूरी दास्तान बयां की। बालिकाओं ने बताया हम लोग कमरों में बैठकर सामान खा रहे थे, तभी रसोईघर की तरफ से आग और धुआं उठने लगा। हम डरकर बाहर भागे। मैडम (अधीक्षिका) यहां नहीं थीं, वे किसी मीटिंग



में गई हुई थीं। छात्राओं ने आगे खुलासा किया कि यहां कोई सरकारी चौकीदार या सुरक्षाकर्मी तैनात नहीं रहता। जो चौकीदार हैं, वे भी केवल शाम को थोड़ा समय आते हैं और दिन में बिल्कुल नहीं रहते। घटना के वक्त परिसर में केवल एक-दो निजी/प्राइवेट लोग ही मौजूद थे, जिनका कोई

आधिकारिक दायित्व नहीं था। छात्राओं की चीख-पुकार सुनकर आसपास के ग्रामीण तुरंत छात्रावास परिसर की ओर दौड़े। धुएँ के गुबार के बीच ग्रामीणों ने अपने स्तर पर पानी और मिट्टी से आग पर काबू पाने की कोशिश शुरू की। तत्काल घटना की सूचना आपातकालीन पुलिस वाहन (डायल-112) और अग्निशमन दल को दी गई। सूचना मिलते ही डायल-112 के आरक्षक नितेश सस्त्या और चालक ललन प्रसाद पनिका मौके पर पहुंचे। इसके बाद दमकल वाहन की मदद से लगभग एक घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद रसोई की आग पर पूरी तरह काबू पाया जा सका। प्रारंभिक पड़ताल में आग का कारण विद्युत परिपथ में अतिभार या शार्ट सर्किट (विद्युत घर्षण) माना जा रहा है, हालांकि रसोई के सामान के नुकसान का सही आकलन किया जा रहा है। छात्रावास में अग्निशमन उपकरणों की अनुपलब्धता, जर्जर विद्युत वायरिंग और सबसे बड़कर आपात स्थिति में जिम्मेदार अमले का न होना अत्यंत गंभीर विषय है। यदि आग विकराल रूप ले लेती या धुआं कमरों के भीतर सो रही बालिकाओं को घेर लेता, तो शहडोल जिले में एक बड़ा नरसंहार घटित हो सकता था। नागरिकों और अभिभावकों ने मांग की है कि इस पूरे मामले में केवल कागजी लीपापोती करने के बजाय छात्रावास अधीक्षिका एवं नदरद रहने वाले चौकीदार पर कठोर दंडात्मक कार्रवाई की जाए। साथ ही संभाग के सभी शासकीय छात्रावासों में अग्निशमन व्यवस्था का तत्काल सुरक्षा परीक्षण कराया जाए।



हरियाली तीज पर सजा उल्लास का रंग

महिलाओं ने दी संस्कृति और परंपरा को नई पहचान

जयसिंहनगर। हरियाली तीज के अवसर पर नगर के वार्ड क्रमांक 11 में महिलाओं द्वारा हर्षोल्लास एवं उत्साह के साथ तीज मिलन समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन श्रीमती भारती शुक्ला के नेतृत्व में किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में महिलाओं ने सहभागिता कर भारतीय संस्कृति एवं परंपराओं की मनोहारी छटा बिखेरी।

कार्यक्रम में महिलाओं ने पारंपरिक परिधानों में सज-धजकर तीज के गीत, नृत्य एवं विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से उत्सव को यादगार बनाया। इस अवसर पर मेहंदी, श्रृंगार एवं अन्य मनोरंजक प्रतियोगिताएं भी आयोजित की गईं, जिसमें महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम में उपस्थित

महिलाओं ने हरियाली तीज के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि ऐसे आयोजन हमारी समृद्ध लोक परंपराओं, संस्कारों और संस्कृति को अगली पीढ़ी तक पहुंचाने का सशक्त माध्यम हैं। आयोजन के दौरान महिलाओं में आपसी स्नेह, सौहार्द एवं उत्साह का वातावरण देखने को मिला। श्रीमती भारती शुक्ला ने सभी महिलाओं को हरियाली तीज की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि भारतीय संस्कृति में तीज जैसे पर्व महिलाओं के उत्साह, उमंग और पारिवारिक सौहार्द का प्रतीक हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे सांस्कृतिक आयोजनों से समाज में एकजुटता और भाईचारे की भावना मजबूत होती है। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित महिलाओं ने एक-दूसरे को हरियाली तीज की शुभकामनाएं दीं तथा आयोजन को सफल बनाने में सहयोग करने वाली सभी महिलाओं का आभार व्यक्त किया।

वर्षा को दृष्टिगत रखते हुए खाद्यान्न का बेहतर ढंग से करें रख रखाव: कलेक्टर



जानकारी, दीनदयाल अंत्योदय योजना के हितग्राहियों सहित अन्य जानकारी प्राप्त की।इसी प्रकार कलेक्टर ने बहुउद्देशीय प्राथमिक

कृषि साख सहकारी समिति दिया पीपर का भी निरीक्षण किया। उन्होंने निर्देश दिए कि ग्राम दियापीपर के लोगों का शत प्रतिशत फार्मर

खबर संक्षेप

रेल मंडल प्रबंधक को अनूपपुर जिला विकास मंच ने सौपा ज्ञापन

अनूपपुर। बिलासपुर रेल मंडल के मंडल रेल प्रबंधक राकेश रंजन का शहडोल से सड़क मार्ग द्वारा अमृत भारत स्टेशन अनूपपुर आगमन हुआ। इस दौरान उन्होंने जिला विकास मंच के संयोजक वासुदेव चटर्जी अधिवक्ता के नेतृत्व में पत्रकार चेतन्य मिश्रा एवं अरविंद बिबानी से सौजन्य भेंट की। करीब एक घंटे तक अनूपपुर जंक्शन की यात्री सुविधाओं और रेल सेवाओं के विस्तार को लेकर विस्तार से चर्चा हुई। मंडल रेल प्रबंधक ने अनूपपुर स्टेशन के दूसरे चरण में होने वाले कार्यों की जानकारी देते हुए कहा कि यात्रियों की सुविधा और सुरक्षा उनकी प्राथमिकता में है। उन्होंने अपने स्तर से संबंधित मांगों पर आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया। जिला विकास मंच के संयोजक वासुदेव चटर्जी ने मंडल रेल प्रबंधक को सौंपे ज्ञापन में कहा कि दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के बिलासपुर जोन के सीआईसी रेलखंड में यात्री सुविधाओं का अभाव है। अंचल से प्रतिदिन करीब पांच हजार यात्री विभिन्न दिशाओं में रेल यात्रा करते हैं। इनमें बड़ी संख्या युद्ध यात्रियों की होती है। ऐसे में जनहित और लोकहित को ध्यान में रखते हुए यात्री सुविधाओं का विस्तार आवश्यक है।

अनूपपुर स्टेशन के दूसरे चरण का काम शीघ्र शुरू करने की मांग ज्ञापन में अमृत भारत योजना के तहत अनूपपुर जंक्शन में दूसरे चरण के कार्य शीघ्र प्रारंभ करने की मांग की गई है। इसके तहत प्लेटफार्म क्रमांक 3 और 4 की ऊंचाई बढ़ाने, शेड का विस्तार करने, शेड सहित प्लेटफार्म क्रमांक 5 का निर्माण करने तथा स्टेशन के विपरीत दिशा में यात्रियों के बाहर निकलने के लिए वाहन पार्किंग सहित निकास द्वार बनाने की मांग रखी गई। दो-दो ग्राम पंचायतों को जोड़ने वाली सड़क चढ़ी बदहाली की भेंट, कीचड़ में चलने को मजबूर ग्रामीण लामाटोला बेलियाबड़ी मार्ग पर ढाई किलोमीटर तक गड्डे और कीचड़

जिम्मेदारों की अनदेखी का खामियाजा भुगत रहे ग्रामीण

कोतमा। कोतमा विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत लामाटोला और बेलियाबड़ी को जोड़ने वाली करीब ढाई किलोमीटर लंबी मुख्य सड़क इन दिनों बदहाली की मार झेल रही है। बारिश के साथ ही सड़क की हालत इस कदर खराब हो गई है कि जगह-जगह बड़े-बड़े गड्डे और कीचड़ जमा हो गया है। ऐसे में ग्रामीणों, स्कूली बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों को जान जोखिम में डालकर आवागमन करना पड़ रहा है। ग्रामीणों का आरोप है कि लंबे समय से शिकायतों के बावजूद जिम्मेदार अधिकारी सड़क की समस्या को लेकर गंभीरता नहीं दिखा रहे हैं। लामाटोला बेलियाबड़ी मार्ग करीब छह गांवों को जोड़ने वाला महत्वपूर्ण संपर्क मार्ग है, जो आगे प्रधानमंत्री सड़क से जुड़ता है। रोजाना बड़ी संख्या में ग्रामीण और स्कूली बच्चे इसी मार्ग से आवागमन करते हैं। बारिश के दिनों में सड़क पर कीचड़ और पानी भर जाने से पैदल चलना तक मुश्किल हो जाता है।दोपहिया वाहन चालकों के फिसलकर गिरने का खतरा लगातार बना रहता है। ग्रामीणों का कहना है कि सड़क की समस्या कोई नई नहीं है। पंचायत प्रतिनिधियों और जनपद पंचायत के जिम्मेदार अधिकारियों को कई बार मौखिक एवं लिखित रूप से अवगत कराया गया, लेकिन स्थायी समाधान के नाम पर अब तक केवल आश्वासन ही मिले हैं।

बिलासपुर-चिरमिरी ट्रेन में इयूटी कर रहे टीटीई का बैग चोरी जीआरपी ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ दर्ज किया मामला



करने के साथ यात्रियों से भी पूछताछ की गई, लेकिन बैग का कोई पता नहीं चल सका। इसके बाद टीटीई ने मामले की जानकारी जीआरपी को दी। ट्रेन के अनूपपुर स्टेशन पहुंचने के बाद जीआरपी अनूपपुर वैकी में शिकायत दर्ज कराई गई। पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ चोरी का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस अब ट्रेन में मौजूद यात्रियों और घटना के समय आसपास मौजूद लोगों से पूछताछ कर रही है।
सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाल रही जीआरपी
जीआरपी पुलिस द्वारा अनूपपुर रेलवे स्टेशन और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज की भी जांच की जा रही है। पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि ट्रेन से उतरने अथवा स्टेशन के आसपास बैग लेकर कौन संदिग्ध व्यक्ति गया है। साथ ही ट्रेन में लगे कैमरों और अन्य तकनीकी माध्यमों से भी जांच की जा रही है।
यात्रियों के सामान की सुरक्षा पर उठे सवाल
ट्रेन में इयूटी कर रहे रेलवे कर्मचारी का बैग चोरी होने की घटना ने यात्रियों के सामान की सुरक्षा को लेकर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। रेलगाड़ियों में यात्रियों के सामान की चोरी की घटनाओं को रोकने के लिए जीआरपी और रेलवे सुरक्षा बल द्वारा समय-समय पर निगरानी की जाती है। इसके बावजूद चलीते ट्रेन और रेलवे स्टेशन पर चोरी की घटनाएं सुरक्षा व्यवस्था के लिए चुनौती बनी हुई हैं। जीआरपी अनूपपुर वैकी प्रमारी उप निरीक्षक पीएस कुलरते ने बताया कि रेलवे स्टेशन और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज की जांच की जा रही है। ट्रेन से उतरने अथवा स्टेशन के आसपास किसी संदिग्ध व्यक्ति की गतिविधि सामने आती है तो उसके आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

तो क्या जन संपर्क की जारी खबर लगाने तक सीमित है पत्रकार ?
आखिर क्यों जन-विश्वास अभियान में मीडिया से दूरी ?



अपनी डफली अपना राग’ पर उठे सवाल

अनूपपुर। पुष्पराजगढ़ में मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान के तहत आयोजित शिविर में प्रशासन ने जनता की समस्याएं सुनने, योजनाओं की जानकारी देने और हितग्राहियों को लाभ पहुंचाने का दावा किया है। मंच से पारदर्शिता, जवाबदेही और जनसंवाद की बातें हुई हैं, लेकिन इसी आयोजन में पत्रकारों की मौजूदगी नजर नहीं आई है। सवाल यही है कि जिस अभियान का उद्देश्य जनता और प्रशासन के बीच विश्वास कायम करना है, उसमें मीडिया को दूर रखने की जरूरत क्यों पड़ी है? क्या प्रशासन जनता तक अपनी बात तो पहुंचाना चाहता है, लेकिन क्या सवालों से बचना भी चाहता है?मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान के अंतर्गत जनपद पंचायत पुष्पराजगढ़ में आयोजित शिविर सरकारी उपलब्धियों और योजनाओं के प्रचार-प्रसार का मंच बना रहा है, विधायक फुंदेलाल मार्को ने कहा कि अभियान का उद्देश्य आमजन की शिकायतों और समस्याओं का समयबद्ध निराकरण करना है, जबकि कलेक्टर रत्नाकर झा ने अधिकारियों को शासन की

योजनाओं और बुनियादी सुविधाओं पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए हैं।ये तो बहुत अच्छा किए हैं वहीं प्रशासनिक विज्ञाित के अनुसार शिविर में विभिन्न विभागों ने योजनाओं की जानकारी दी और 415 समस्यामूलक आवेदन प्राप्त हुए। कई हितग्राहियों को पेंशन, डेयरी, प्रधानमंत्री विश्वकर्मा, लाइली लक्ष्मी सहित विभिन्न योजनाओं का लाभ भी दिया गया।सरकारी नजरिए से देखें तो आयोजन पूरी तरह सफल दिखाई देता है। लेकिन लोकतंत्र का असली सौंदर्य तब सामने आता है, जब उपलब्धियों के साथ सवालों के लिए भी जगह हो। यही वह जगह है जहां पुष्पराजगढ़ के इस आयोजन पर प्रश्नचिह्न खड़ा होता है। जनता के बीच आयोजित कार्यक्रम में पत्रकारों को आखिर क्यों नहीं बुलाया गया? क्या यह प्रशासनिक चूक थी या फिर मीडिया के असहज सवालों से बचने की रणनीति? जवाब प्रशासन को देना चाहिए।

जनता के अभियान में मीडिया गायब क्यों

जन-विश्वास अभियान जनता से सीधा संवाद स्थापित करने के लिए आयोजित किया गया था। मंच पर जनप्रतिनिधि, अधिकारी और हितग्राही

मौजूद रहे, लेकिन पत्रकारों की मौजूदगी नहीं होना सवाल खड़े करता है। आखिर जिस कार्यक्रम की उपलब्धियों को जनता तक पहुंचाना था, उसके लिए मीडिया को ही किनारे क्यों रखा गया? यदि प्रशासन का आयोजन पूरी तरह पारदर्शी था, तो पत्रकारों को बुलाने में कोई परेशानी नहीं होनी चाहिए थी। आखिर कैमरा और कलम से इतनी दूरी क्यों?

415 आवेदन, सवाल अभी भी बाकी

प्रशासन के अनुसार शिविर में कुल 415 समस्यामूलक आवेदन प्राप्त हुए हैं। आंकड़ा निश्चित रूप से बड़ा है और यह बताता है कि क्षेत्र में लोगों की समस्याएं कम नहीं हैं। लेकिन अब अगला सवाल इससे भी महत्वपूर्ण है कि इन 415 आवेदनों में कितने मामलों का मौके पर निराकरण हुआ है? कितने आवेदन संबंधित विभागों को भेजे गए हैं? कितने मामलों में समयसीमा तय की गई है? जनता को यह जानकारी कौन देगा और किसकी जिम्मेवारी बनती है? केवल आवेदन प्राप्त कर लेना जन-विश्वास नहीं, बल्कि उसका परिणाम बताना असली जवाबदेही है।

पारदर्शिता पर माषण, मीडिया पर पर्दा

कार्यक्रम में प्रशासन की पारदर्शी, जवाबदेह और संवेदनशील छवि मजबूत करने की बात कही गई है। कलेक्टर ने अधिकारियों को जनता की समस्याओं को संवेदनशीलता से सुनने और गुणवत्तापूर्ण निराकरण के निर्देश भी दिए हैं। लेकिन इसी कार्यक्रम में मीडिया को शामिल नहीं किया जाना इस पूरी तस्वीर में एक अजीब विरोधाभास पैदा करता है। पारदर्शिता का मतलब केवल सरकारी विज्ञप्ति जारी करना नहीं है। पारदर्शिता का मतलब सवालों के लिए दरवाजा खुला रखना भी है। फिर मीडिया के लिए यह दरवाजा बंद क्यों रहा है?



अपनी डफली, अपना राग वाला आयोजन

सरकारी कार्यक्रमों में अक्सर मंच से उपलब्धियों की लंबी सूची सुनाई जाती है। योजनाओं के आंकड़े गिनाए जाते हैं, हितग्राहियों को लाभ दिया जाता है और फिर प्रेस विज्ञप्ति जारी कर तस्वीर जनता के सामने रख दी जाती है। लेकिन पत्रकारों की मौजूदगी होती तो शायद कहानी में कुछ सवाल भी जुड़ जाते। जनता की वास्तविक समस्याएं, अधिकारियों के जवाब और मौके की हकीकत भी सामने आती। ऐसे में सवाल उठना स्वाभाविक है कि कहीं यह आयोजन ‘अपनी डफली, अपना राग’ तक सीमित तो नहीं रह गया है?

प्रशासन को देना होगा स्पष्ट जवाब

पत्रकारों को आमंत्रित नहीं करने के पीछे प्रशासन का वास्तविक कारण क्या था, यह स्पष्ट होना चाहिए। यदि यह महज आमंत्रण की चूक थी तो प्रशासन इसे स्वीकार कर सकता है। यदि कोई प्रशासनिक कारण था तो उसे सार्वजनिक किया जाना चाहिए। लेकिन यदि कार्यक्रम पूरी तरह जनता के लिए था और उसमें पारदर्शिता सर्वोच्च

प्राथमिकता थी, तो मीडिया को दूर रखने का फैसला समझ से परे है। जन-विश्वास केवल भाषणों से नहीं बनता, बल्कि सवालों का सामना करने से बनता है। अब देखना यह है कि प्रशासन इस सवाल का जवाब देता है या फिर इस सवाल को भी किसी फाइल में रखकर आगे बढ़ जाता है?

इनका कहना है

जन में तो सभी लोग आ जाते है कार्यक्रम का नाम ही था जन विश्वास, तो क्या पत्रकार जन नहीं है। यह सभी का कार्यक्रम था।

शुश्री कुसुम मरकाम
जिला जन संपर्क अधिकारी अनूपपुर।
चूँकि यह जिले का कार्यक्रम था सभी कुछ वही से तय किया गया है हमारी जवाबदारी में जो काम दिए गए थे वह हमने पूरा किया है।

हरीश चंद्र द्विवेदी
सीईओ पुष्पराजगढ़
इस कार्यक्रम के नोडल अधिकारी जनपद सीईओ बनाए गए थे कार्यक्रम उन्हीं के देख रेख में सम्पन्न हुआ है।
अमित श्रीवास्तव
जन संपर्क अधिकारी जिला पंचायत अनूपपुर।

सावन महोत्सव में महिलाओं ने बिखेरी प्रतिभा की छटा, स्नेहा बनीं सावन सुंदरी



चर्चाई। ऊर्जा नगरी चर्चाई स्थित श्रम कल्याण केंद्र में सावन मास के अवसर पर लाइली जू चर्चाई के तत्वावधान में सावन महोत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में नगर की महिलाओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते हुए नृत्य, लोकगीत, कविता, रैप वॉक सहित विभिन्न प्रस्तुतियों से समां बांध दिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अफरोज अहमद खान एवं विशेष अतिथि श्रीमती स्वाति देव रहैं। स्वाति देव ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कार्यक्रम की शुरुआत प्रीति शर्मा के स्वागत नृत्य से हुई, जिसे उपस्थित लोगों ने खूब सराहा।

राजस्थानी नृत्य ने मोहा मन

बीकानेर से आई बीना सोलंकी ने राजस्थानी पारंपरिक नृत्य प्रस्तुत कर कार्यक्रम में सांस्कृतिक रंग भर दिया। उनकी प्रस्तुति को दर्शकों ने तालियों के साथ सराहा। कवयित्री वंदना खरे ने महिलाओं

के अखंड सौभाग्य पर कविता प्रस्तुत की। वहीं निर्मला मिश्रा ने सावन के लोकगीत ‘कजली’ का गायन कर लोगों का मन मोह लिया। नृत्य प्रस्तुतियों पर झूम्रा महिलाएं प्रीति भारद्वाज, प्रीति शर्मा, स्नेहा शारदा, बबीता, पूजा, वर्षा पांडे, सरस्वती, किट्टू, स्वप्निल द्विवेदी, सोनम द्विवेदी एवं किरण शुक्ला ने सावन आधारित नृत्य प्रस्तुतियां दीं। आयोजक मंडल की महिलाओं ने भी आकर्षक नृत्य प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में लकी झूं, मनोरंजक खेल और प्रश्नोत्तरी का आयोजन किया गया।

स्नेहा को पहनाया सावन सुंदरी का ताज

सावन महोत्सव में आयोजित प्रतियोगिता में स्नेहा कोथी ने सावन सुंदरी का खिताब जीता। थाना प्रभारी फूलवती अहिरवार एवं सब इंस्पेक्टर श्रीमती किरण मिश्रा ने उन्हें ताज पहनाकर सम्मानित किया। इसके अलावा रैप वॉक कार्यक्रम भी आकर्षण का केंद्र रहा। महिलाओं ने

अपनी पसंद के गीतों पर रैप वॉक कर उत्साह का प्रदर्शन किया।

सभी वर्ग की महिलाओं ने लिया हिस्सा

कार्यक्रम की खास बात यह रही कि इसमें विभिन्न समाज और अलग-अलग आयु वर्ग की महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। मुख्य अतिथि अफरोज अहमद खान एवं विशेष अतिथि स्वाति देव ने आयोजक समिति को कार्यक्रम की सफलता पर बधाई देते हुए कहा कि चर्चाई जैसे छोटे स्थान पर महिलाओं ने जिस उत्साह, जागरूकता और एकजुटता के साथ आयोजन किया, वह सराहनीय है। उन्होंने आयोजकों के उत्कृष्ट समन्वय और मेहनत की प्रशंसा की। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती आकांक्षा शुक्ला एवं श्रीमती गरिमा भारद्वाज ने किया। अंत में रोज राव ने सभी अतिथियों, प्रतिभागियों एवं सहयोगियों का आभार व्यक्त किया।



रेलवे मजदूर कांग्रेस ने अनूपपुर में रेलवे सामुदायिक भवन निर्माण की मांग दोहराई

आठ साल से लंबित है प्रस्ताव, मंडल

रेल प्रबंधक को सौपा चार सूत्रीय

ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। दक्षिण

पूर्व मध्य रेलवे बिलासपुर मंडल के मंडल रेल प्रबंधक राकेश रंजन के अनूपपुर आगमन पर रेलवे मजदूर कांग्रेस ने रेल कर्मचारियों की विभिन्न समस्याओं को लेकर चार सूत्रीय ज्ञापन सौंपा। जोनल कार्यकारी अध्यक्ष लक्ष्मण राव के नेतृत्व में मजदूर कांग्रेस के पदाधिकारियों ने मंडल रेल प्रबंधक का स्वागत करते हुए कर्मचारियों की समस्याओं के शीघ्र निराकरण की मांग की। रेलवे मजदूर कांग्रेस के जोनल कार्यकारी अध्यक्ष लक्ष्मण राव ने पत्र क्रमांक एसईसीआरएमसी सेंट्रल बीएसपी डीआरएम ज्ञापन बीएसपी 32/2026, दिनांक 21 अगस्त के माध्यम से मंडल रेल प्रबंधक को ज्ञापन सौंपा। इस दौरान शाखा अनूपपुर के उपाध्यक्ष रामदास राठौर, कोषाध्यक्ष सदाशिव पाण्डेय, प्रणोद गौर, जुगल किशोर राठौर एवं युवा प्रकोष्ठ सचिव किशन द्विवेदी सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

आठ साल से लंबित है सामुदायिक भवन

मजदूर कांग्रेस ने अनूपपुर में रेलवे सामुदायिक भवन का निर्माण बजट में शामिल कर जल्द शुरू कराने की मांग दोहराई। संगठन के अनुसार वर्ष 2018 में कार्मिक विभाग और अभियंत्रिकी विभाग द्वारा संयुक्त सर्वेक्षण कर सामुदायिक भवन के लिए स्थल का चयन किया गया था। इसके बाद निर्माण का बजट भी तैयार कर मंडल रेल प्रशासन को भेजा गया, लेकिन करीब आठ वर्ष बीत जाने के बावजूद भवन निर्माण का काम आगे नहीं बढ़ सका है। संगठन ने रेल कर्मचारियों के हित में इस प्रस्ताव को स्वीकृति देकर निर्माण कार्य शीघ्र शुरू कराने की मांग की है।

अनुपयोगी आवासों के स्थान पर बनें नए मकान

ज्ञापन में अनूपपुर, अमलाई, बूढार और कोतमा क्षेत्र के करीब 50 रेलवे आवासों का मुद्दा भी उठाया गया। मजदूर कांग्रेस के अनुसार इन आवासों को रेलवे द्वारा अनुपयोगी घोषित किया जा चुका है। कई आवासों को छत से बारिश के दौरान पानी टपकता है तथा दीवारों में दरारें भी हैं, जिससे कर्मचारियों और उनके परिवारों की सुरक्षा पर खतरा बना हुआ है। संगठन ने अनुपयोगी आवासों को हटाकर उनके स्थान पर दो मंजिला एवं सुविधायुक्त नए रेलवे आवास

बनाने की मांग की है।

विद्युत विभाग में कर्मचारियों की कमी

तीसरी मांग अनूपपुर के विद्युत विभाग में कर्मचारियों की कमी दूर करने से संबंधित है। मजदूर कांग्रेस ने बताया कि विभाग का कार्यक्षेत्र अनूपपुर से लेकर छुलहा, जैतहरी, मोहारी, धुरवासिन, हरद और कोतमा तक फैला हुआ है। इसके बावजूद खराबी सुधार एवं रखरखाव के लिए पर्याप्त कर्मचारी उपलब्ध नहीं हैं। संगठन ने नए विद्युत कर्मचारियों की पदस्थापना कर कर्मचारियों की कमी दूर करने की मांग की।

न्यू शिवम कॉलोनी में पानी और सुरक्षा का मुद्दा

ज्ञापन में न्यू शिवम कॉलोनी की समस्याओं को भी प्रमुखता से उठाया गया। कॉलोनी में पानी की समस्या को देखते हुए नया नलकूप कराने की मांग की गई। इसके साथ ही कॉलोनी के सामने बनी सुरक्षा दीवार की ऊंचाई कम होने से बाहरी लोगों की आवाजाही और सुरक्षा संबंधी खतरा बना रहने की बात कही गई। मजदूर कांग्रेस ने सुरक्षा दीवार की ऊंचाई बढ़ाने की मांग भी मंडल रेल प्रबंधक के समक्ष रखी। मजदूर कांग्रेस ने उम्मीद जताई कि मंडल रेल प्रशासन कर्मचारियों से जुड़ी इन समस्याओं पर शीघ्र निर्णय लेते हुए लंबित मांगों को पूरा करने की दिशा में ठोस कार्रवाई करेगा।

24 घंटे में चोरी का आरोपी गिरफ्तार, चोरी के दरवाजे और औजार बरामद

अनूपपुर। वैकी देवहरा थाना चवाई पुलिस ने चोरी के मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए घटना के 24 घंटे के भीतर आरोपी को गिरफ्तार कर चोरी का सामान बरामद किया है। पुलिस ने आरोपी को न्यायालय अनूपपुर में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया। पुलिस के अनुसार फरियादी कृष्ण प्रसाद ओझा पिता स्वर्गीय रामचरित ओझा, उम्र 49 वर्ष, निवासी संजय नगर, वैकी देवहरा ने शिकायत दर्ज कराई थी कि वह संजय नगर में सुरक्षा प्रमारी के पद पर पदस्थ हैं और एसईसीएल के आवंटित आवासों की देखरेख करते हैं। 20 अगस्त को सुबह करीब 7 बजे गश्त के दौरान उन्होंने संजय नगर कॉलोनी के कुछ आवासों से चांदीनुमा जालीदार दरवाजे गायब पाए। फरियादी ने बताया कि 19 अगस्त की रात करीब 11 बजे से 20 अगस्त की सुबह 7 बजे के बीच अज्ञात व्यक्ति द्वारा लाने तोड़कर पांच जालीदार दरवाजे चोरी कर लिए गए। चोरी गए दरवाजों की कुल कीमत करीब 40 हजार रुपये बताई गई। शिकायत पर पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर विवेचना शुरू की। विवेचना के दौरान पुलिस ने संदेही मिलेश बरेठा पिता हर प्रसाद बरेठा, उम्र 36 वर्ष, निवासी संजय नगर देवहरा को हिरासत में लेकर पूछताछ की। पूछताछ में चोरी की घटना से संबंधित जानकारी मिलने पर आरोपी के एसईसीएल आवास क्रमांक 36/3 से दो चांदीनुमा दरवाजे, तीन दरवाजों के खुले हुए हिस्से, टूटा हुआ ताला तथा चोरी में प्रयुक्त औजार बरामद कर जब्त किए गए। पुलिस ने आरोपी मिलेश बरेठा को घटना के 24 घंटे के भीतर गिरफ्तार कर न्यायालय अनूपपुर में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया।

